INS तुशील

स्रोत: पी.आई.बी

भारत के उन्नत **बहु-भूमिका वाले स्टील्थ-गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट INS तुशील (F70)** को रूस में **भारतीय नौसेना** में शामिल किया गया, जो **भारत-रूस रक्षा सहयोग** और समुद्री क्षमता में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है।

- **परिचय:** INS तुशील **परियोजना 1135.6 (तलवार श्रेणी)** का उन्नत **क्रिवाक III श्रेणी का फ्रिगेट** है। यह **तीन तलवार श्रेणी और तीन तेग श्रेणी के फ्रिगेट** के बाद शृंखला का 7 वाँ फ्रिगेट है।
  - INS तुशील, भारत सरकार और **JSC रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (एक रूसी कंपनी)** के बीच वर्ष 2016 के अनुबंध के तहत दो उन्नत फ्रिगेट में से पहला है।
    - फ्रिगेट एक बहुमुखी युद्धपोत है जिसका उपयोग अनुरक्षण, गश्त और युद्ध संचालन के लिये किया जाता है, जो आधुनिक नौसेनाओं के लिये अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।
  - **तुशील नाम का अर्थ है "रक्षक ढाल",** जो समुद्री सीमाओं की रक्षा के लिये भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
  - **उन्नत हथियार:** INS तुशील **ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, एंटी सब-मरीन टॉरपीडो** और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों से सुसज्जित है।
  - **परिचालन क्षमता:** इसे वायु, सतह, जल के नीचे और विद्युत चुंबकीय आयामों में **ब्लू वाटर ऑपरेशन** के लिये डिज़ाइन किया गया है, जो **भारत के सागर (क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा और विकास)** के साथ संरेखित है, जिससे **हिंद महासागर क्षेत्र (IOR)** में स्थिरता सुनिश्चित होती है।
- **भारत-रूस रक्षा सहयोग:**
  - सैन्य तकनीकी सहयोग पर समझौता (2021-2031)
  - भारत-रूस 2+2 वार्ता
  - **द्विपक्षीय परियोजनाएँ: T-90 टैंक, Su-30-MKI विमान, मिग-29-K विमान**
  - **सैन्य अभ्यास : इंद्र (त्रि-सेवा), अविया इंद्र** (वायु सेना), **और अभ्यास वोस्तोक** (थल सेना)।

और पढ़ें: भारत-रूस संबंध: कूटनीतिक क्षमता

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ins-tushil